केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ मार्च, २०११ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २०११ **समय : दौपहर २.०० से ५.००** **कुल गुणांक : १००**

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

दिनांक महीना वर्ष

परीक्षार्थी का जन्म दिन ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (९)	
	३ (८)	
	४ (६)	
	५ (५)	
	६ (५)	
	७ (८)	
	८ (६)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (९)	
	११ (८)	
	१२ (६)	
	१३ (४)	
	१४ (८)	
विभाग-२, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रद्धन के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रद्धनों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

६. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

७. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

८. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''तुमने भगवान को देखा, और उन्हें छोड़कर यहाँ आ गये ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''नामों के अन्त में 'आदि' शब्द तो लिखा है, इसी में मेरा नाम आ गया ।''

३. ''वैसे भी लोया में घी-दूध मिलता ही नहीं ।''

प्र. २ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) **(९)**

१. श्रीजीमहाराज सभी भक्तजन को दो मन से अधिक गेहूँ नहीं देते थे ।

२. कृपानंद स्वामी को स्वामिनारायण मंत्र के प्रति अपार श्रद्धा थी ।

३. अलैया खाचर भक्तों के कान भरने लगे ।

४. उपासना का योग्य ज्ञान आवश्यक है ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **(८)**

१. महिमा । **अथवा** २. गुणातीतानंद स्वामी का उपदेशामृत ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

३. पार्षद । **अथवा** ४. जेठा मेर ।

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(६)**

१. सभी को पानी पिलाने के बाद रामबाईने महाराज को क्या कहा ?

.....

.....

२. वणिकों की बात सुनकर श्रीजीमहाराजने उनको क्या कहा ?

३. भारत के तीर्थस्थान किसका प्रतिनिधि हैं ?

४. गणपतिजी क्यों परेशान थे ?

५. सुबह में कौन-सी मानसी पूजा होती है ?

६. देर से आनेवाले उका खाचर को महाराज ने क्या कहा ?

प्र. ५ 'भक्त पर यदि.....' – **'स्वामी की बात' पूर्ण करके विवरण लिखिए ।** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल <u>पाँच</u> सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । **(५)**

विषय : स्वयंप्रकाशानन्द स्वामी

१. सोरठ देश में कोई जीवनमुक्ता प्रकट हुए हैं । **२.** स्वयंप्रकाशानन्द स्वामी ओरिस्सा राज्य के थे । **३.** वे वैराग्य की पराकाष्ठा वाले थे । **४.** गढ़डा मध्य २४ में महाराज ने उनकी प्रशंसा की है । **५.** प्रकाश देखकर वो जंगल में गये । **६.** वो द्वारिका की यात्रा के लिए निकले थे । **७.** श्रीजीमहाराज के दर्शन मात्र से उनको समाधि लग गई । **८.** उनके पास १००० स्वर्णमुद्रा थी । **९.** उनको प्रीति का भाव श्रेष्ठ था । **१०.** वो तीर्थों से होते हुए सौराष्ट्र में लोज गाँव पहुँचे ।

केवल नंबर – ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्र. ७ निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए । **(८)**

१. वहाला तारा जमणे .....

.....

..... प्रवीण छे रे लोल ।

२. सत्संगी जे तमारा कहावे ..... ए अमने न नडे ।

३. पंचरंगी पुष्पनां ..... सर्व कष्ट हरता ॥

४. जयसि धर्मात्मज ..... शीश नामी ।

प्र. ८ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(६)**

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री श्रीसर्वोपकारकाय नमः .....

.....

.....ॐ श्री अजातवैरिणे नमः ॥

२. ब्रह्मभूतः ..... लभते पराम् ॥

३. श्रीवासुदेव ..... शरणं प्रपद्ये ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''महाराज ने ही स्वमुख से उनकी महिमा मुझे कही थी ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''हमें श्रीजीमहाराज की आज्ञा नहीं है, इसलिए हम इस थाल में भोजन नहीं कर सकते ।''

३. ''जैसे कोठी (घड़ा) में दाना भरते हैं, वैसे वे अनाज पेट में भरते हैं ।''

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) **(९)**

१. तुलसी दवे को स्वामी के स्वरूप की यथार्थ प्रतीति हुई ।

२. गुणातीतानंद स्वामी शरीर पर थोड़ा भी मोटापा नहीं होने देते ।

३. स्वामी ने नागर भक्त को सभा में बुलाया ।

४. उगा खुमाण को संतोने आशिष दी ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **(८)**

१. संत पारस चंदन बावना । २. 'मेरे वचन तो एक जोगी ही बदल सकते हैं ।'

३. भादरा में महाराज द्वारा कही गई मूलजी भक्त की महिमा ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(६)**

१. आचार्य रघुवीरजी महाराज ने चातुर्मास निमित्त कथाप्रसंग का आयोजन कब किया ?

.....

.....

२. जूनागढ़ में स्वामी ने किस का अखाड़ा लगाया था ?

३. महाराज ने सन्मुख दृष्टि रखकर चलने से क्यों मना किया ?

४. पंड़ितों ने कौन-सा भाव प्राप्त नहि किया था ?

५. क्या सुनकर सभा स्तब्ध हो गई ?

६. मावजी मिस्त्री को क्या लेकर आने को स्वामी ने कहा ?

प्र.१३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **(४)**

१. स्वामी उपशम स्थिति में । २. सोरठ का सत्संग । ३. अप्रतीम श्रद्धा ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ :.....

.....

.....

प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. बालमूलजी ने श्रीजीमहाराज के बारें में कहे हुए कथन ।

(१) ☐ यज्ञोपवीत संस्कार दिया जा रहा है ।

(२) ☐ वनमां वहालो विचरे, आवशे आपणे गाम ।

(३) ☐ आज तो मेरे प्रभु गद्दी पर बिराजेंगे ।

(४) ☐ आज तो मेरे हरिने गृहत्याग किया ।

२. गुणातीतानन्द स्वामी की सेवावृत्ति ।

(१) ☐ बीमार संतों की सेवा में कारियाणी में रहे ।

(२) ☐ बीमार संतों की सेवा में गढ़डा में रहे ।

(३) ☐ आत्मानन्द स्वामी की सेवा की ।

(४) ☐ योगानन्द स्वामी की सेवा की ।

३. भक्त वत्सल ।

(१) ☐ गुणातीतानन्द स्वामी ने वालजी की शादी एक वर्ष के बाद करने को कहा ।

(२) ☐ जसा भगत की मृत्यु के थकी रक्षा की ।

(३) ☐ जसा भगत की व्यावहारिक हालत सुधारने के लिए आशीर्वाद दिया ।

(४) ☐ डोसाभाई को पुत्र दिया ।

४. गोपालानन्द स्वामी ने गुणातीतानन्द स्वामी की महिमा कही ।

(१) ☐ वे तो सर्वज्ञ हैं, सर्वदक्ष हैं और धन्वंतर वैद्य के समान है ।

(२) ☐ ये गुणातीतानन्द स्वामी मूल अक्षर है ।

(३) ☐ आप असल में सच्चे चक्रवर्ती हैं आप सचमुच में अक्षर ही हैं ।

(४) ☐ भोयका गाँव के मालजी सोनी को स्वामी अक्षर हैं ऐसी पहचान करवाई ।

* * *